RNI NO Title Code-UPHIN49594

हिन्दी दैनिक

नवयुग समाचार

बहराइच से प्रकाशित

एक सामाजिक दर्पण

वर्ष-3 अंक-300
बहराइच,मंगलवार
10 दिसंबर 2024
पृष्ठ-4 मूल्य 2.00

लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कानपुर, कन्नौज, फरुर्खाबाद, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, म.प्र., बिहार में प्रसारित

हर चीज को वोटबैंक की तराजू पर तोलने वाले परेशान: मोदी

पानीपत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि हर चीज को वोट बैंक की तराजू पर तोलने वाले लोग बहुत परेशान हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि चुनाव दर चुनाव मोदी के खाते में माताओं, बहनों, बेटियों का आशीर्वाद बढ़ता ही क्यों जा रहा है।

श्री मोदी ने यहां भारतीय जीवन बीमा निगम की बीमा सखी योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि हरियाणा ने एक है तो सेफ है के मंत्र को अपनाकर पूरे देश में नया उदाहरण पेश किया है और अब दूसरे राज्य के लोग भी इसका अनुसरण करने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि अब तक हर चीज को वोट बैंक की तराजू पर तोलने वाले लोग बहुत परेशान हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि चुनाव दर चुनाव मोदी के खाते में माताओं, बहनों, बेटियों का आशीर्वाद बढ़ता ही क्यों जा रहा है। जिन लोगों ने माताओं-बहनों को सिर्फ वोट बैंक समझा, वो इस मजबूत रिश्ते को समझ भी नहीं पाएंगे।

उन्होंने अपने पहले के दो कार्यकालों में महिलाओं के हित में लिए गए निर्णयों और उनके लिए शुरू की गई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आज देश भर की 10 करोड़ बहनें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। उनसे जुड़कर महिलाओं की कमाई हो रही है। बीते 10 वर्ष में स्वयं सहायता समूह की

महिलाओं को 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की मदद दी गई है।

उन्होंने कहा ह्लमैं देशभर में स्वयं सहायता समूह की बहनों को भी कहूंगा आपकी भूमिका असाधारण है, आपका योगदान बहुत बड़ा है। आप सभी भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने में जुटी हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज लाखों बेटियों को बीमा एजेंट, बीमा सखी बनाने का अभियान शुरू हो रहा है यानी जिस सेवा का लाभ पाने से कभी वो वंचित रहीं, आज उसी सेवा से दूसरे लोगों को जोड़ने का जिम्मा उन्हें दिया जा रहा है। आजादी के 60-65 साल बाद भी अधिकतर महिलाओं के पास बैंक खाते नहीं थे, यानी महिलाएं बैंकिंग सुविधाओं से कटी हुई थीं।

प्रधानमंत्री ने कहा ह्लइसलिए हमारी सरकार ने सबसे पहले माताओं-बहनों के जनधन खाते खुलवाए। आज मुझे गर्व है कि जनधन योजना से 30 करोड़ से अधिक महिलाओं के खाते खुले हैं। नारी को सशक्त करने के लिए बहुत आवश्यक है कि उन्हें आगे बढ़ने के खूब अवसर मिलें, उनके सामने से हर बाधा हटे। जब नारी को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तो वो देश के सामने अवसरों के नए द्वार खोल देती हैं।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक देश में ऐसे अनेक काम थे जो महिलाओं के लिए वर्जित थे। भाजपा की सरकार ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने की ठानी है। उन्होंने कहा , ह्लअभी यहां (पानीपत) देश की बहनों-बेटियों को रोजगार देने वाली 'बीमा सखी योजना' का शुभारंभ किया गया है। मैं देश की सभी बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। श्री मोदी ने कहा ह्लकुछ वर्ष पहले मुझे, पानीपत से 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान शुरू करने का सौभाग्य मिला था। इसका सकारात्मक प्रभाव हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश में हुआ। अब 10 वर्ष बाद, इसी पानीपत की धरती से बहनों-बेटियों के लिए 'बीमा सखी योजना' का प्रारंभ हुआ है। हमारा पानीपत नारीशक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है। उन्होंने कहा कि आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। आज 9 तारीख है, शास्त्रों में 9 अंक को बहुत शुभ माना जाता है। 9 अंक नवदुर्गा की नव शक्तियों से जुड़ा है। 9 दिसंबर के दिन ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। आज जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है, 9 दिसंबर की ये तारीख हमें समानता और विकास को सर्वस्पर्शी बनाने की प्रेरणा देती है।

थाने में हाजिरी, चुनाव प्रचार में परेशानी, सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सिसोदिया

नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने जमानत की शर्तों में संशोधन को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरबाजा खटखटाया है। जमानत की शर्तों में संशोधन के लिए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस पर जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि संशोधन की हम मंजूरी देते हैं और 11 दिसंबर को मामले पर सुनवाई होगी।

बता दें कि अगस्त माह में सिसोदिया को तब बड़ी राहत मिली थी जब कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार सुप्रीम कोर्ट से उन्हें जमानत मिली थी। वे सिसोदिया 17 महीने से तिहाड़ जेल में बंद थे। सिसोदिया को जमानत देकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वे समाज के सम्मानित व्यक्ति हैं और उनके भागने की आशंका भी नहीं है। साथ ही कहा कि मामले में ज्यादातर सबूत भी जुटाए जा चुके हैं, इसलिए उनके साथ छेड़छाड़ करने की कोई संभावना नहीं है। हालांकि, गवाहों को प्रभावित करने या डराने के मामले में उनपर शर्तें लगाई जा सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मनीष को 10 लाख के मुचलके पर जमानत दी है। साथ ही दो बड़ी शर्तें लगा दी हैं। पहली शर्त ये है कि उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा। और दूसरी शर्त ये कि उन्हें हर सोमवार और गुरुवार को थाने में जाकर हाजिरी लगानी होगी।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में पीएम मोदी और अडाणी का मुखौटा लगाए सांसदों से की बात और कसा तंज

नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के 10वें दिन सोमवार को एक अजीब नजारा देखने को मिला है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने संसद परिसर में पीएम नरेंद्र मोदी और गौतम अडाणी का मुखौटा पहने सांसदों से बातचीत की।

राहुल गांधी ने सांसद से पूछा कि आप क्या बोल रहे हो? इस पर अडाणी का मुखौटा पहने सांसद ने कहा कि कुछ भी चाहता हूं। एयरपोर्ट चाहिए। राहुल ने पूछा कि अगला क्या लेने की कोशिश कर रहे हो? अडाणी का मुखौटा लगाए विपक्षी सांसद ने कहा कि हमारा विजन साफ है। बगल में खड़े एक अन्य सांसद ने कहा कि भैया, ये पार्लियामेंट को छोड़ देना। राहुल ने पूछा कि आप अपने रिश्ते के बारे में बताइए। मुखौटा पहने सांसदों ने कहा कि हम दोनों सब मिलकर काम करने वाले है। राहुल ने पूछा कि आपकी कबसे पार्टनरशिप चल रही है? राहुल गांधी ने पूछा कि फ्यूचर कैसा है? अडाणी का मुखौटा लगाए सांसद ने कहा कि मैं इंडिया हूं। इसके बाद राहुल गांधी ने पूछा कि ये पार्लियामेंट क्यों नहीं चलने दे रहे? अडाणी का मुखौटा लगाए सांसद ने कहा कि अमित भाई से पूछना पड़ेगा। मैं जो भी बोलता हूं, ये (मोदी का मुखौटा लगाए सांसद की तरफ इशारा) करते हैं। राहुल ने मोदी का मुखौटा लगाए सांसद की तरफ मुखातिब होकर पूछा कि ये आजकल कम बोलते हैं। इस पर अडाणी का मुखौटा लगाए सांसद ने कहा कि ये आजकल थोड़ा टेंशन में हैं।

पीएम मोदी आज पानीपत में करेंगे बीमा सखी योजना की शुरूआत

नई दिल्ली,

। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एलआईसी की ह्यबीमा सखी योजनाह्न की शुरूआत करने सोमवार को दोपहर करीब 2 बजे पानीपत पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी के दौरे को देखते हुए हरियाणा के पानीपत में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इसी बीच पीएम मोदी महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर की आधारशिला भी रखेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 09 दिसंबर सोमवार को पानीपत पहुंचने से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि देशभर की माताओं-बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

इसी कड़ी में आज दोपहर बाद करीब 02 बजे हरियाणा के पानीपत में बीमा सखी योजना की शुरूआत का सुअवसर मिलेगा। इसी दौरान कई और परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करूंगा। पीएम मोदी के दौरे के मद्देनजर पानीपत के अनेक स्कूलों ने अवकाश घोषित कर दिया है। पीएम मोदी जिस बीमा सखी योजना की शुरूआत करने जा रहे हैं वह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की ह्यबीमा सखी योजनाह्न 18 से 70 वर्ष की आयु की उन महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए है, जो दसवीं कक्षा पास की हुई हैं।

विदेश सचिव ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को लेकर नई दिल्ली की चिंताएं साझा की

नई दिल्ली

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की। इसी के साथ ढाका की उनकी एक दिवसीय यात्रा भी संपन्न हो गई। विदेश सचिव ने बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन और विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन के साथ भी बैठक की।

अपनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चरमपंथी बयानबाजी और हिंसा की घटनाओं को लेकर पड़ोसी देश के साथ नई दिल्ली की चिंताएं साझा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि इन बैठकों के दौरान विदेश सचिव मिस्री ने एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन पर प्रकाश डाला। उन्होंने आपसी विश्वास, सम्मान तथा एक-दूसरे की चिंताओं और हितों के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर बांग्लादेश के साथ रचनात्मक संबंध बनाने की नई दिल्ली की इच्छा को दोहराया।

मिस्री की यात्रा के समापन के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा

जारी एक बयान के मुताबिक, ह्लविदेश सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में लोग मुख्य हितधारक हैं। उन्होंने कहा कि भारत का बांग्लादेश के साथ बहुआयामी संबंध, जिसमें संपर्क, व्यापार, बिजली, ऊर्जा और क्षमता निर्माण के क्षेत्र शामिल हैं, बांग्लादेश के सभी लोगों के लाभ के लिए हैं।ह्न

इसमें कहा गया, ह्लविदेश सचिव ने हाल के कुछ घटनाक्रमों और मुद्दों पर भी चर्चा की और भारत की चिंताओं, विशेष रूप से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण से संबंधित चिंताओं से अवगत कराया। उन्होंने सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनयिक संपत्तियों पर हमलों की कुछ अफसोसजनक घटनाओं को भी उठाया।ह्न

विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा, ह्लविदेश सचिव की यात्रा भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय जुड़ाव को बनाए रखने में मदद करेगी, ताकि चिंताओं को दूर करने के साथ-साथ संबंधों में महत्वपूर्ण मुद्दों को आगे बढ़ाया जा सके। बता दें कि विदेश सचिव का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों विशेष तौर पर हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा, भड़काऊ बयानबाजी जैसी खबरें लगातार सामने आ रहा हैं। भारत ने लगातार हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ धमकियों और टारगेटेड हमलों के मुद्दे को बांग्लादेश सरकार के सामने मजबूती से उठाया है।

देश गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है: धनखड़

नयी दिल्ली

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि जब देश गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा हो तो सदन को लोगों को प्रेरित करने के लिए एकजुट आवाज उठानी चाहिए ताकि इन ताकतों को पराजित किया जा सके।

श्री धनखड़ ने सदन में अमेरिकी निवेशक जार्ज सोरोस पर जारी हंगामा के बीच कहा कि देश में नकारात्मक एजेंडा बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस तरह की साजिशों को बर्दाश्त या अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा , ह्लडीप स्टेट की कार्यप्रणाली पर ध्यान दिया जाना चाहिए। यह हमें कोविड बीमारी से भी अधिक नुकसान पहुंचाती है। इस पर पूरे देश को एक स्वर में बोलने की जरूरत है। देश को बड़े पैमाने पर लोगों को एक दिशा देनी चाहिए ताकि भारत के सभी दुश्मनों को एक सबक मिले कि वे कभी भी हमारी अखंडता, हमारी संप्रभुता को चुनौती देने और हमारी प्रगति में बाधा डालने का दुस्साहस न करें।

उन्होंने सदस्यों से कहा,ह्ल हमारा आचरण ऐसा होना चाहिए कि लोगों की संसद में अधिक रुचि हो क्योंकि अगर संसद में संवाद आम लोगों की भावनाओं को साझा नहीं करेगा तो संसद अप्रासंगिक हो जाएगी। संसद के लिए ऐसी गंभीर चुनौतियों पर चर्चा करना मौलिक है, जिनका सामना देश कर रहा है।

सभापति ने दोनों पक्षों के सदस्य से आत्मचिंतन करने का का आह्वान करते हुए कहा , ह्लउन्हें शपथ लेनी होगी और देश के सामने एक उदाहरण पेश करना होगा कि हम पहले भारतीय हैं, हमारे लिए राष्ट्र सबसे पहले है। राष्ट्रवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता शत-प्रतिशत होनी चाहिए। हम अपनी राष्ट्रीयता को कम नहीं होने देंगे। हम अपनी एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए किसी भी चुनौती को बर्दाश्त नहीं करेंगे।ह्न

श्री धनखड़ ने कहा , ह्ल यह हमारे अस्तित्व को चुनौती है। हम एक राष्ट्र के रूप में इन भयावह ताकतों से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये ताकतें भारत की शत्रु हैं। इस शत्रुतापूर्ण ताकत तंत्र विकसित हो रहा है। इसे बेअसर करने की आवश्यकता है। ह्न उन्होंने कहा कि सभी विभाजनकारी ताकतें भारत की अवधारणा के लिए हानिकारक हैं। ये सभी ताकतें भारतीय लोकतंत्र को खत्म करने, प्रगति को रोकने, आर्थिक उत्थान को बाधित करने की साजिश रखते हैं। उन्होंने कहा कि इन ताकतों को हमें हराना होगा। उन्होंने बताया कि सदन के सुचारु संचालन के लिए सदन के नेता और विपक्ष के नेता के बीच बैठक हुई है।

संपादकीय

बेघरों का बसेरा

कोई भी ऋतु हो, जब भी मौसम का चरम नजर आता है गरीब को इससे मार खानी पड़ती है। जब ठंड आती है तो शीतलहर से गरीब मरता है। बारिश होती है तो निचले इलाके में रहने वाले गरीब बाढ़ का शिकार होते हैं। गर्मी होती है तो वे लू से मारे जाते हैं। साधनविहीन लोग ही मौसम के चरम का शिकार होते हैं। कायदे से मौसम नहीं, गरीबी मारती है। लेकिन सवाल उठता है कि जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्या सत्ताधीशों का दायित्व नहीं बनता कि वे राजनीतिक तमाशों से इतर अपनी जनता का ध्यान रखें? एक समय था कि राजा-महाराजा अपनी प्रजा का खुद ख्याल रखते थे। चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था होती थी। संवेदनशील राजा बाकायदा वेष बदलकर प्रजा के दुख-दर्द जानने निकलते थे। लेकिन ज्यों-ज्यों लोकतंत्र शिक्षित-विकसित होता गया, सत्ताधीशों की संवदेनशीलता कुंद होती चली गई। तभी शीत ऋतु की दस्तक के साथ ही अदालतों को सरकारों को अपना मूलभूत दायित्व याद दिलाना पड़ता है। बीते वीरवार को भी देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली के शहरी आश्रय बोर्ड यानी डीएएसआईबी को तलब किया कि दिल्ली में फिलहाल कितने आश्रयगृह हैं और वहां कितने लोगों को ठहराया जा सकता है। साथ ही आंकड़ा देने को कहा कि कितने लोग ऐसे हैं जिन्हें आश्रय की जरूरत है। निश्चित रूप से कड़ाके की ठंड में बीमार, लावारिस और मानसिक रूप से परेशान लोगों को संरक्षण देना प्रथम मानवीय कर्तव्य है। वैसे, अदालत की यह बात तो दिल्ली को लेकर है, लेकिन ऐसे प्रयास पूरे देश में होने चाहिए। कहने को तो राज्यों में स्थानीय निकाय भी रैन बसेरे तैयार करते हैं। लेकिन वे न तो पर्याप्त होते हैं और न ही उनमें पूरी सुविधाएं होती है। रैन बसेरे बना भी लिए जाएं तो वहां सफाई का खास ध्यान नहीं रखा जाता। नशेड़ियों और अपराधियों की सक्रियता से बेसहारा लोग यहां आने से कतराते हैं। निश्चित रूप से रेन बसेरे बनाया जाना सार्थक कदम है, लेकिन उनमें सुविधाओं, सुरक्षा और सफाई को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाना चाहिए। इन्हें गंदगी, अराजकता व असुरक्षा से बचाने के लिये स्वयं सेवी संगठनों की सक्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कायदे से ये दायित्व सरकारी एजेंसियों का होना चाहिए, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आता। दरअसल, केंद्र व राज्य सरकारों को निराश्रित लोगों के लिए मौसम के चरम आने पर एक स्थायी ढांचा उपलब्ध कराना चाहिए। जिसे तुरत-फुरत तैयार करके बेसहारा लोगों के लिये उपलब्ध कराया जाए। यूं तो देश में सामाजिक, व धार्मिक संगठन भी रेन बसेरा बनाते हैं,लेकिन यह सिर्फ खबरों की सुर्खियों में आने का जरिया मात्र नहीं होना चाहिए। यह सही मायनों में बेघरों का आश्रय होना चाहिए। साथ ही इनकी सुविधाओं की निगरानी निरंतर होनी चाहिए। दरअसल, इनके उद्घाटन समारोहों का जिस जोर-शोर से प्रचार किया जाता है, वैसा ध्यान इनके निरंतर सुचारु रूप से संचालन में नहीं होता। आज हर घर में ठंड से बचाव का अतिरिक्त सामान होता है। ऐसे ही हर व्यक्ति को मानवता के नाते जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

(चिंतन-मनन)

चैतन्य रहें

एक बार दो देवताओं में विवाद हो गया कि भाग्य बड़ा है या पुरूषार्थ? विवाद हर व्यक्ति के मन में पैदा होता है, चाहे मनुष्य हो, चाहे देवता हो। निश्चित हुआ, परीक्षा करें। एक देवता ने कहा- देखो! भाग्य बड़ा नहीं होता, पुरूषार्थ बड़ा होता है। दूसरे ने कहा- नहीं! उस आदमी को देखो। तुम्हें साक्षात प्रमाणित करूंगा कि पुरूषार्थ बड़ा नहीं होता, भाग्य बड़ा होता है।पति-पत्नी जा रहे थे। देवता ने रास्ते के बीच रत्नों का ढेर लगा दिया।

रत्न ही रत्न बिखेर दिए। जब आस-पास आए, पत्नी ने कहा- अभी तो हमारी आंखे अच्छी हैं, हम देख सकते हैं, हमें सब कुछ दिखाई देता है। कभी ऐसा भी हो सकता है कि बुढ़ापा आने के साथ-साथ हमारी आंखें चली जाएं, हम अन्धे हो जाएं। फिर काम कैसे चलेगा? पति ने कहा - परीक्षा कर लें। देखें, कैसे काम चलेगा? दोनों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। दोनों चले। जहां रत्न बिखरे हुए पड़े थे, ढेर लगा था आस-पास में, उससे आगे निकल गए। कुछ आगे जाकर पति बोला- आंखो के बिना काम तो चल जाएगा, इसी कोई बात नहीं है। खोल लो पट्टी। पट्टी खोल ली। देवता ने कहा - देखा तुमने! भाग्य में नहीं था, कुछ नहीं मिला।

दिल्ली चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

-ललित गर्ग-

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है। निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है।

दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में, जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है।

भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं। लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रमक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है। भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है।

निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार के चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उसके बाद आतिशी मालेर्ना राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं। आप नेताओं ने चुनाव अभियान प्रारंभ कर दिया है। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। आप ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की है। आप के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि आप इस चुनाव में भी आसानी से जीत की ओर बढ़ रही हैं। इन स्थितियों में आप क्यों कांग्रेस या अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करें? आप अभी भी निम्न-मध्यम वर्ग और झुग्गी-झोपड़ियों वाले इलाकों में काफी लोकप्रिय है।

आप का वोट शेयर पहले की तुलना में बढ़ा है और कांग्रेस कमजोर हुई है। हालांकि, 2013 में अपने पहले चुनाव के बाद से आप का वोट शेयर लगातार बढ़ता रहा। जबकि पिछले दशक में कांग्रेस को वोट देने वालों की संख्या में काफी कमी आई है। आप ने 2013 में अपने आश्चर्यजनक प्रदर्शन के साथ, कुल मतदान का 29 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था। पार्टी को 70 में से 28 सीटों पर जीत मिली थी। आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई थी। इससे कांग्रेस का वोट शेयर घटकर 24.5 प्रतिशत और सिर्फ आठ सीटों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई थी। इसके बाद 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर क्रमशः 9.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत तक गिर गया। वहीं, आप ने 54.6 प्रतिशत और 53.6 प्रतिशत वोट शेयर के साथ भारी जनादेश हासिल किया।

लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एवं आप के बीच गठबंधन न होने का फायदा भाजपा को मिलता हुआ दिख रहा है। असल में आप के वोट कांग्रेस ही काटेगी।

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका दिल्ली में व्यापक जनाधार रहा है। लेकिन वह ह्यजीतह्ण और ह्यगठबंधनह्ण की मृगमरीचिका में भटकती रही है, अपनी स्वतंत्र पहचान को खोती रही है। आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे वह कैसे जीत को सुनिश्चित कर सकती है? कांग्रेस की एक ओर बड़ी विडम्बना है कि वह जरूरी मुद्दों को उठाने की बजाय मोदी-विरोध का ही राग अलापती रही है। मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो इसके केन्द्रीय नेतृत्व एवं रणनीतिकारों पर तरस आती है। जबकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए उसके जमीनी नेता व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इन स्थितियों में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई करिश्मा या चमत्कार कर पायेगी, इसमें संदेह ही है।

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार

ममता के मन और है, जनता के मन और

-राकेश अचल-

हाल के आम चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों के दांत खट्टे करे वाले आईएनडीआईए गंठबंधन में भी खटास पैदा होती दिखाई दे रही है। संसद के शीत सत्र में इंडिया गठबंधन के घटक दल बिखरे -बिखरे नजर आ रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो सुश्री ममता बनर्जी के मन की बात तो ओठों तक आए ही गयी। वे विपक्षी गठबंधन को नेतृत्व देने के लिए लालायित है, कोई उनसे कह भर दे।

देश में लगातार क्षीण हो रही कांग्रेस और चारों दिशाओं में बिखरे विपक्षी दलों को एकजुट करने में मिली कामयाबी एक साल में ही दम तोड़ती नजर आ रही है। विपक्षी एकता की धुरी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की क्षमताओं को लेकर सवाल खड़े किये जाने लगे है। इसका सीधा अर्थ है कि इंडिया गठबंधन के दलों में राहुल की नेतृत्व क्षमता पर यकीन कम हो रहा है। ऐसे में यदि राहुल ने अपने आपको न बदला तो आईएनडीआईए गठबंधन की नीति और नेता दोनों बदल सकते हैं। बदलाव की मांग बंगाल से भी उठती दिखाई दे रही है और महाराष्ट्र से भी।

आम चुनाव में मिली सफलता के बाद आईएनडीआईए गठबंधन के नेता हवा में उड़ने लगे थे, लेकिन पहले हरियाणा और जम्मू-कश्मीर और बाद में झारखण्ड और महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों के नतीजों ने विपक्षी गठबंधन की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। एक बार ये बात फिर प्रमाणित हो गयी कि सब कुछ होने के बावजूद आईएनडीआईए गतहबंधन के पास भाजपा को रोकने की कोई प्रभावी रणनीति नहीं है। वो आक्रामकता भी नहीं है जो भाजपा को सबक सीखा सके। भाजपा ने जिस तरह से हरियाणा में विपक्ष के सामने परोसी हुई सत्ता की थाली छीन ली उसी तरह से महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का सीराजा फैला दिया।

आईएनडीआईए गठबंधन ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में कांग्रेस को भाव नहीं दिया, तो बंगाल में ममता बनर्जी ने। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने मिलकर चुनाव नहीं लड़ा तो बिहार में भी गठबंधन के प्रमुख दल आरजेडी को हार का मुंह देखना पड़ा। विधानसभा उपचुनावों के नतीजे आने के बाद संसद के शीत सत्र में भी विपक्षी एकता कमजोर ही नजर आई। अडानी मामले पर कांग्रेस के बहिर्गमन का साथ न तृमूकां ने दिया और न समाजवादी पार्टी ने। समाजवादी पार्टी के नेता ने तो यहां तक कह दिया कि राहुल गांधी कांग्रेस के नेता हैं हमारे नेता नहीं।

हाल के घटनाक्रम से इस बात के संकेत साफ मिल रहे हैं कि विपक्षी घटक दल राहुल के नेतृत्व में आगे का सफर तय करने के लिए तैयार नहीं है। बहुत से घटक दलों के लिए जिस आक्रामकता की दरकार विपक्ष को है वो तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी में दिखाई दे रही है। ऍन सीपी के शरद पंवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले भी ममता के नेतृत्व को स्वीकार करने के मूड में नजर आ रहे है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव में राहुल के साथ मिलाकर चुनाव लड़ी एनसीपी चुनाव नतीजों से नाखुश है। नाखुश तो शिव सेना -उद्धव गुट भी है। आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी के सुर पहले से ही बदले -बदले सुनाई दे रहे हैं।

इंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी चाहती है कि . गठबंधन जारी रहे और साथ मिलकर चुनाव लड़े। गठबंधन के नेता अभी खरगे साहब हैं। महाराष्ट्र में सपा के एमवीए छोड़ने पर उन्होंने कहा कि वहां के लोगों की ओर से जिस तरह के बयान दिए जा रहे हैं, वह नहीं दिए जाने चाहिए। महाराशिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की ओर से छह दिसंबर के अयोध्या विध्वंस की घटना का समर्थन किए जाने को लेकर महा विकास अघाड़ी में हलचल बढ़ गई है। समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र प्रमुख और विधायक अबु आसिम आजमी ने गठबंधन के प्रमुख घटक शिवसेना (यूबीटी) के अयोध्या में 6 दिसंबर बाबरी विध्वंस की घटना का समर्थन किए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी में यह लोग कांग्रेस, एनसीपी और सपा के साथ आने के बाद कह रहे थे कि वह सेकुलर हो गए हैं। अबु आजमी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव रिजल्ट का जिक्र करते हुए कहा कि जब वे चुनाव हार गए तो फिर वही पुरानी बातें दोहराने लगे हैं। अगर ऐसा ही रहा तो महाविकास अघाड़ी आगे चल नहीं पाएगा।

भाजपा और प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी के प्रति लगातार हमलावर रहे पूर्व राजयपाल सत्यपाल मलिक भी राहुल गांधी के नेतृत्व से हताश नजर आ रहे हैं। मलिक ने भी राहुल के बजाय गतहबंधन के नेतृत्व के लिए ममता बनर्जी के नाम का समर्थन किया है। मलिक चाहते हैं कि इण्डिया गठबंधन को ममता बनर्जी को नेतृत्व का मौका देना चाहिये। शरद पंवार भी दबी जुबान में ममता के नाम पर सहमत नजर आ रहे हैं। मुझे लगता है कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के तमाम घटक दल संसद का शीत सत्र समाप्त होते ही अंतिम फैसला ले लेंगे। इस मुद्दे पर कांग्रेस ने अभी मौन साध रखा है।

विपक्षी खेमे में मन मुटाव भाजपा के लिए जीवनदान देने वाला हो सकता है, किन्तु एक बात ये भी है कि ममता बनर्जी को राहुल गांधी की तरह पूरब से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक जन समर्थन मिलने वाला नहीं है। वे जुझारू हैं किन्तु उनकी कोई राष्ट्रीय अपील नहीं है।

हिंदी पट्टी में तो छोड़िये दक्षिण में भी कोई उनके साथ आसानी से चलने को राजी हो जाएगा , ये कहना कठिन है। ममता बनर्जी ने बंगाल में तो अभी तक भाजपा को पांव नहीं जमाने दिए हैं लेकिन वे पूरे देश को बंगाल की तरह भाजपा के लिए चुनौती में बदल देंगी, इसमें मुझे संदेह है। जो भी है विपक्ष का बिखराव देश के लोकतंत्र की सेहत के लिहाज से ठीक नहीं है। देश के हिन्दूकरण को रोकने के लिए विपक्ष ने यदि दरियादिली से अपना नया नेता न चुना तो इसकी बहुत बड़ी कीमत सभी को चुकाना होगी।

कांग्रेस के लिए ये आत्मनिरीक्षण का सही समय है। उसे तय करना है कि वो सकल विपक्ष के दबाब में क्या राहुल गांधी के नेतृत्व को खारिज कर सकती है या उसे राहुल पर ही भविष्य की राजनीति करना है?

आपको ८ी होगा कि एक जमाने में समाजवादी सियासत के झंडावरदार मने जाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आम चुनाव से ठीक पहले इंडिया गठबंधन से जान छुड़ाकर भाजपा में शरणागत हो गए थे। जेपी आंदोलन कि पैदाइश नितीश कुमार को प्रधानमंत्री के सामने दंडवत करते हुए पूरे देश ने देखा है। जाहिर है कि वे अब भाजपा के लिए कोई चुनौती नहीं रहे। शरद पंवार भी उम्रदराज हो चुके है।

अखिलेश यादव अभी भी उत्तर प्रदेश में उलझे हैं। एक राहुल गांधी हैं जिन्होंने पूरा देश पैदल नापा है। उमके सामने पहचान का कोई संकट नहीं है। उनका असल संकट अपने नेतृत्व को प्रामाणिक न बना पाने का है। ये चुनौती कांग्रेस कि भी है कि वो राहुल के पीछे चले या और कोई नेता तलाश ले? नेतृत्व के संकट से भाजपा को छोड़ आज सभी दल जूझ रहे हैं। जनता के मन में कौन है ये जानने की कोशिश कोई नहीं कर रहा

बीमा सखी योजना: ग्रामीण महिलाओं को बनायेगी सशक्त

-प्रियंका सौरभ-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसम्बर को पानीपत का दौरा करेंगे और ₹बीमा सखी योजना₹ शुरू करेंगे, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में महिलाओं को सशक्त बनाना है। इस योजना से लाखों महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जल्द ही इसकी विस्तृत जानकारी देंगे। 9 दिसम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के पानीपत में 'बीमा सखी योजना' की शुरूआत करेंगे, जिसका उद्देश्य बीमा क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा कर-के महिलाओं को सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत, महिलाएँ जीवन बीमा निगम की एजेंट बनेंगी, जिससे वे बीमा बेच सकेंगी और आय अर्जित कर सकेंगी। यह पहल महिला सशक्तिकरण और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। ₹बीमा सखी योजना₹ महिलाओं की वित्तीय सुरक्षा पर केंद्रित है, जो महिलाओं के लिए बीमा कवरेज को बढ़ावा देती है। यह योजना महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करती है। इसका उद्देश्य आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाना है। यह योजना वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। महिलाओं को बीमा उत्पादों तक पहुँच प्राप्त होगी, जो कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करेगी। इस सहायता का उद्देश्य महिलाओं के आत्मविश्वास और स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है। इस लॉन्च से महिलाओं के सशक्त होने की उम्मीद है। यह लैंगिक समानता के बारे में एक मजबूत संदेश भेजेगा। यह पहल महिलाओं के अधिकारों के लिए राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है। इसका उद्देश्य महिलाओं को अपने भविष्य की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करना है। 'बीमा सखी योजना' पूरे भारत में महिलाओं को सशक्त बनाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। योजना के तहत चुनी गई महिलाएँ एलआईसी एजेंट के रूप में काम करेंगी और अपने समुदायों में बीमा सेवाएँ प्रदान करेंगी। इससे न केवल महिलाओं के लिए रोजगार पैदा होगा बल्कि वित्तीय साक्षरता और सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी का हरियाणा से गहरा नाता है, अक्सर वे इसे महत्त्वपूर्ण पहलों के लिए लॉन्चिंग ग्राउंड के रूप में चुनते हैं। 2015 में पानीपत से 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' आंदोलन की शुरूआत सहित मोदी के अभियानों के साथ राज्य का इतिहास महिलाओं के कल्याण के लिए उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए एक मिसाल कायम करता है।

महिलाओं के अधिकारों पर ध्यान देने के लिए जाना जाने वाला हरियाणा एक बार फिर सामाजिक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाएगा। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने की राज्य की विरासत को और मजबूत करेगी। 'बीमा सखी योजना' राज्य की सफल महिला-केंद्रित नीतियों के पोर्टफोलियो में शामिल होगी और समावेशी विकास पर बढ़ते फोकस को दर्शाएगी। 'नारी शक्ति' पर सरकार के जोर को लोकसभा में पारित 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' जैसे प्रयासों के माध्यम से मजबूत किया गया, जिसमें महिलाओं को 33% आरक्षण दिया गया। बीमा सखी योजना ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक प्रगतिशील पहल है। इसका उद्देश्य बीमा क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। यह योजना लैंगिक समानता और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप है। यह वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और महिलाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह पहल वित्तीय सेवाओं में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करते हुए स्थायी आजीविका बनाने का प्रयास करती है। इस योजना से महिलाओं को वित्तीय मुख्यधारा में एकीकृत करके ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। लैंगिक समानता: यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और अब बीमा सखी जैसी पहलों के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। एक स्थिर आय और करियर पथ प्रदान करके, कार्यक्रम कमजोर समुदायों की महिलाओं का उत्थान करना चाहता है। पात्र महिलाओं को योजना के बारे में सूचित करने के लिए प्रभावी संचार रणनीतियाँ आवश्यक हैं। योजना की सफलता के लिए वेतन और कमीशन का समय पर वितरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है। बीमा क्षेत्र में अपनी भूमिका को बनाए रखने और विस्तारित करने के लिए महिला एजेंटों के लिए एक मजबूत सहायता प्रणाली का निर्माण करना।

आवेदक भारतीय नागरिक होने चाहिए। न्यूनतम योग्यता 10वीं या 12वीं कक्षा की होनी चाहिए। आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता विवरण, मोबाइल नंबर, शैक्षिक प्रमाण पत्र शामिल हैं और महिलाओं को ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों की निवासी होना चाहिए। चयनित उम्मीदवारों को बीमा सखी के रूप में तैयार करने के लिए जीवन बीमा निगम द्वारा प्रदान किए गए विशेष प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। प्रशिक्षण के सफल समापन पर प्रमाणन प्रदान किया जाता है। एक निश्चित मासिक वेतनः पहले वर्ष में 7, 000, दूसरे में 6, 000 और तीसरे वर्ष में 5, 000 और बेची गई बीमा पॉलिसियों पर कमीशन के माध्यम से अतिरिक्त आय मिलेगी। आयोगों और नीति-सम्बंधी अपडेट की निगरानी के लिए एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म। कौशल और ज्ञान को उन्नत करने के लिए नियमित कार्यशालाएँ। देश भर में 35, 000 महिलाओं को शामिल करने की प्रारंभिक योजना। हरियाणा का पानीपत, महिला सशक्तिकरण पर अपने ऐतिहासिक जोर के कारण इस योजना का लॉन्चपैड है। आधिकारिक या नामित सरकारी पोर्टल पर जाएँ। व्यक्तिगत विवरण और वैध संपर्क जानकारी का उपयोग करके एक खाता बनाएँ। सटीक विवरण के साथ आवेदन पत्र भरें। आईडी प्रूफ, शैक्षिक प्रमाण पत्र और बैंक विवरण जैसे आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें। आवेदनों की समीक्षा की जाती है। स्वीकृत होने के बाद, उम्मीदवारों को एक व्यक्तिगत डैशबोर्ड तक पहुँच प्राप्त होती है। 'बीमा सखी योजना' 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और 'नमो दीदी' कार्यक्रमों की सफलता के बाद, महिला-केंद्रित योजनाओं को शुरू करने के पीएम मोदी के ट्रैक रिकॉर्ड को जारी रखती है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उनका निरंतर प्रयास समाज और अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न नीतियों और विधायी परिवर्तनों में स्पष्ट है। बीमा सखी योजना वित्तीय समावेशन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। ग्रामीण महिलाओं को बीमा एजेंट के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाकर, यह योजना न केवल उन्हें आजीविका के अवसर प्रदान करती है बल्कि उन्हें औपचारिक वित्तीय प्रणाली में भी एकीकृत करती है। कार्यक्रम की सफलता इसके प्रभावी कार्यान्वयन और हितधारकों से निरंतर समर्थन पर निर्भर करती है।

कानपुर में बोले सीएम आदित्यनाथ : जो अच्छा लगता हो उसका आचरण करके आगे बढ़ो

नवयुग समाचार संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश और समाज के हित में जो उचित लगता हो उसका अनुसरण करके आगे बढ़ना चाहिए।

आज रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

रामा विश्वविद्यालय, मंधना के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

ऋषि मुनियों और धार्मिक ग्रंथो का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा- भारतीय दृष्टि देखिए कितनी महान थी। हमने सत्य के मार्ग पर चलने की बात कही है। यानी सत्य के साथ-साथ धर्म के मार्ग का अनुसरण करो।

उन्होंने कहा- अगर दुनिया के अंदर धर्मों को किसी ने समझा है तो भारतीय ऋषियों ने समझा है। उपासना तक सीमित नहीं रखा। किसी भी ऋषि ने ये नहीं कहा कि जो मैं कह रहा हूं वही सत्य है। आपकी मर्जी आप मेरी बात मानो या न मानो। देश और समाज के लिए जो अच्छा लगता हो उसका आचरण करके आगे बढ़ो।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे यह भी कहा कि कोई भी भारत का सनातन धर्मावलंबी ये नहीं कह सकता है कि वह तभी हिन्दू है जब वह मंदिर जाएगा। जो जाएगा वह भी है और जो नहीं जाएगा वह भी है। कोई बाध्यता नहीं है उसके लिए। मैं वेदों को मानू न शानू, मैं शास्त्रों में विश्वास करूं न करूं। तभी मेरा हिन्दुज्म कही मुझसे भाग नहीं जा रहा है। वह तब भी हमें जोड़कर चल रहा है।

उपासना विधि की भी चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म को हमने कभी उपासना विधि तक सीमित नहीं किया। किसी एक ईष्ट या एक ग्रंथ तक सीमित नहीं किया। उन्होंने कहा-आज भी हर एक भारतीय परिवार अपने घर में वैदिक ग्रंथ संजो कर रखता है। उसे पता है कि यह मेरी पहचान है।

उन्होंने धर्म को बहुत सूक्ष्म तत्व बताते हुए कहा कि उसे हर कोई नहीं समझ पाएगा। इसलिए जो भी हमारे महापुरुष कहें उनके मार्ग का अनुसरण करो।

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने डिजिटल अरेस्ट की भी चर्चा की और कहा कि डिजिटल अरेस्ट की बहुत शिकायत आ रही है। इसके लिए हमें जागरूक होना है। संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वह आम जनमानस को जागरूक करें।

उन्होंने कहा – अगर दुनिया के अंदर धर्मों को किसी ने समझा है तो भारतीय ऋषियों ने समझा है। उपासना तक सीमित नहीं रखा। किसी भी ऋषि ने ये नहीं कहा कि जो मैं कह रहा हूं वही सत्य है। आपकी मर्जी आप मेरी बात मानो या न मानो। देश और समाज के लिए जो अच्छा लगता हो उसका आचरण करके आगे बढ़ो।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे यह भी कहा कि कोई भी भारत का सनातन धर्मावलंबी ये नहीं कह सकता है कि वह तभी हिन्दू है जब वह मंदिर जाएगा। जो जाएगा वह भी है और जो नहीं जाएगा वह भी है। कोई बाध्यता नहीं है उसके लिए। मैं वेदों को मानू न शानू, मैं शास्त्रों में विश्वास करूं न करूं।

एक नजर

श्रवणक्षेत्र धाम में भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा स्थापित

कैलाश नाथ तिवारी/नवयुग समाचार

अयोध्या/अम्बेडकरनगर। श्रवणक्षेत्र धाम में भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई। श्रावण क्षेत्र धाम की पौराणिक महत्व को ध्यान में रखते हुए उनकी मान्यताओं के अनुरूप विकसित करने का कार्य चल रहा है। उत्तर प्रदेश माननीय मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ जी के विजन के अनुसार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने स्थानीय रोजगार को सृजन करने के साथ 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के सपने को साकार करने का प्रयत्न जारी है आगामी दिसंबर माह 14 व 15 तारीख को श्रवण क्षेत्र धाम में 1.51 लाख दीपो का श्रवण क्षेत्र दीपोत्सव मनाया जाना निश्चित हुआ है, इस कार्य में दीप प्रज्वलन और 101 जजमानों (जोड़ो) द्वारा माँ तमसा नदी/सरयू की महा आरती का कार्यक्रम होना सुनिश्चित हुआ है।

उक्त अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित लोगों का आगमन भी होना सुनिश्चित है जिसमें उनका स्वागत अभिनंदन और वंदन किया जाएगा

शाम के समय श्रवण क्षेत्र धाम पर महा आरती का कार्यक्रम प्रस्तावित है इसके लिए सभी जोड़ों को दिन में 3:00 बजे से लेकर के महा आरती समाप्त होने तक रहने और अल्पाहार की व्यवस्था समिति द्वारा की जाएगी।

आरती का रिहर्सल एक दिन पहले अर्थात 14 को किया जाएगा।

16 दिसंबर से लगने जा रहे हैं मेले का बेहतर प्रबंध सुरक्षा व्यवस्था हेतु साफ-सफाई का कार्य भी जोरों पर चल रहा है।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

सुरजीत कश्यप नवयुग समाचार

बिल्हौर: विधानसभा के ब्लॉक ककवन के ग्राम कुरेह में अध्यक्ष विधानसभा बिल्हौर इंजी विनय यादव द्वारा लगवाया गया कैम्प जिसमे गरीबों हेतु निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें डॉ उपदेश सिंह ने बताया गाव के लोगों ने अपने नेत्र का परीक्षण कराया व 30 लोग नेत्र आपरेशन के लिए भर्ती हुए। इस कार्यक्रम प्रधान मुकेश गौतम , सेक्टर अध्यक्ष चुन्नीलाल गौतम,कमलेश गौतम, बीडीसी राकेश गौतम, ओमजी यादव, सुमित,अंकित चक्रवर्ती, सौरभ पाल,विनोद चौरसिया,रघुभीर गौतम,आदि लोग उपस्थित रहे।

आकस्मिक परिस्थितियों के द्रष्टिगत दंगा/बलवा नियंत्रण हेतु किया गया अभ्यास

मोहम्मद इरफान खान/नवयुग समाचार

उन्नावः आकस्मिक परिस्थितियों में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था व समाज में सुरक्षित भयमुक्त वातावरण बनाने के लिये आज दिनाँक 12.08.2024 को दीपक भूकर पुलिस अधीक्षक उन्नाव के नेतृत्व व अखिलेश सिंह अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी एवं प्रेमचंद अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी उन्नाव के कुशल पर्यवेक्षण में रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव परेड ग्राउंड में अधिकारियों कर्मचारियों के साथ दंगा नियन्त्रण का पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण, समस्त थाना प्रभारीगण, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन मय पुलिस बल द्वारा विधि विरुद्ध भीड़ को तितर बितर करने के लिये रबर बुलेट गन, लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले एंटी राइट गन, टियर गैस गन, हैंड ग्रेनेड आदि शस्त्रों के संबन्ध जानकारी साझा करते हुए बलवा ड्रिल का अभ्यास किया गया। साथ ही समस्त सर्किल के पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी एवं दक्षिणी व क्षेत्राधाकरी नगर, श्रीमान क्षेत्राधिकारी बीघापुर, क्षेत्राधिकारी पुरवा व श्रीमान क्षेत्राधिकारी हसनगंज एवं प्रशिक्षु क्षेत्राधिकारी के द्वारा दंगाइयों/बलवाइयों पर एंटी राइट गन, टियर गैस गन, हैंड ग्रेनेड, टियर स्मोक सेल, नेट आदि के प्रयोगों के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में अवगत कराया गया तथा फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का इन परिस्थितियों में किस प्रकार प्रयोग करना है, की जानकारी दी गई।

ताकि किसी भी विषम परिस्थिति में सिखलाये गये तरीकों से ऐसी परिस्थितियों का अच्छे से सामना किया जा सके। दंगा बलवा नयंत्रण ड्रिल में करीब 350 अधिकारी कर्मचारीगण द्वारा भाग लिया गया।

नाबालिग लड़की के अपहरण के मुकदमें से संबंधित एक नफर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

नवयुग समाचार

बहराइच, पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला द्वारा अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध कार्यवाही एवं रोकथाम जुर्म जरायम के संबंध में दिये गये निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी मिहींपुरवा हीरालाल कनौजिया के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम जुर्म जरायम को रोकने हेतु प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक 09.12.2024 को नाबालिग के अपहरण के अभियोग से संबंधित वांछित अभियुक्त मुस्लिम पुत्र फन्दी निवासी ग्राम अंटहवा थाना रुपईडीहा जनपद बहराइच को थाना क्षेत्र अन्तर्गत गायघाट तिराहे के पास से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

मिहींपुरवा मे आयोजित हुआ उद्योग व्यापार मंडल मिहींपुरवा का शपथ ग्रहण समारोह

नवयुग समाचार

मिहींपुरवा/ बहराइच- तहसील मिहींपुरवा के नगर पंचायत मिहींपुरवा मे पिछले दिनों व्यापार मंडल का चुनाव संपन्न हुआ था जिसमें अध्यक्ष पद पर संजय सिंह एवं महामंत्री पद पर विजय पोरवाल निर्वाचित हुए थे।

मिहींपुरवा कस्बे के मोदी अतिथि भवन परिसर में उद्योग व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि उद्योग व्यापार मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष कुलभूषण अरोड़ा तथा विशिष्ट अतिथि के रुप मे महामंत्री बृजमोहन मातन हेलिया, उपाध्यक्ष नानपारा व्यापार मंडल अध्यक्ष मुशीर सेठ मौजूद रहे।

समारोह मे सर्वप्रथम व्यापार मंडल मिहींपुरवा के संरक्षक मंडल की ओर से मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को बुके व अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष कुलभूषण अरोड़ा ने जिले के प्रतिष्ठित व्यापारी अनूप कुमार मोदी को जिला उपाध्यक्ष एवं डॉक्टर छोटेलाल गुप्ता को तहसील अध्यक्ष पद पर मनोनीत करने की घोषणा की तत्पश्चात जिले के पदाधिकारियों की उपस्थिति में जिलाध्यक्ष ने मिहींपुरवा के अध्यक्ष संजय सिंह एवं महामंत्री विजय पोरवाल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष हाजी शफीक अंसारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नितिन रस्तोगी, उपाध्यक्ष गुंजन मिश्रा, ऋषि श्रीवास्तव, इरफान खान, संतोष पोरवाल, धनंजय मदेशिया,संगठन मंत्री नवीन अग्रवाल कोषाध्यक्ष, सुधीर पोरवाल नगर मंत्री व सुधीर कुमार गुप्ता मीडिया प्रभारी तथा राजेश मौर्य को मंत्री पद की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि कुलभूषण अरोड़ा ने कहा कि व्यापारी बंधु व्यापार मंडल की बैठकों में अवश्य पहुंचे एवं अपनी-अपनी समस्याओं से पदाधिकारियों को अवगत कराते रहें जिससे समस्याओ का समाधान किया जा सके। इस मौके पर वर्तमान अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि कि हमारे सभी व्यापारी सम्मान के पात्र है। व्यापारियों के सम्मान के साथ कभी समझौता नहीं किया जाएगा। हम सब व्यापारी एकजुट रहकर सदैव व्यापारी हित में कार्य करते रहेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष अतुल चौधरी एवं पूर्व प्रमुख श्रवण कुमार मद्धेशिया,व्यापार मंडल के संरक्षक डॉ. छोटेलाल गुप्ता ,वरिष्ठ व्यापारी बाबूलाल शर्मा,गोविंद अग्रवाल ,फैयाज अंसारी, गुरमीत सिंह एवं सुदामा सिंह ,फैसल खान सहित सभी व्यापारी उपस्थित रहे।शपथ ग्रहण समारोह के बाद लोगों ने जल पान व भोजन ग्रहण किया।

न्यायालय द्वारा निर्गत आदेश के अनुपालन में थाना रामगांव पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को किया गया गिरफ्तार

नवयुग समाचार

बहराइच पुलिस अधीक्षक जनपद द्वारा अपराध एंव अपराधियो के विरूद्ध चलाये गये अभियान में वाछिंत/वारन्टियों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित करके अभियान को सफल बनाने हेतु दिये गये निदेशों के सम्बन्ध में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), व क्षेत्राधिकारी महसी के निर्देशन में थानाध्यक्ष आलोक सिंह के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम उ०नि० संजीव कुमार द्विवेदी मय हमराह उ०नि० इन्द्रभानु राय, का० पवन यादव, का० अमित यादव द्वारा आज दिनांक 09.12.2024 को 01 नफर वारंटी गोपाल पुत्र लक्ष्मन उम्र करीब 48 वर्ष निवासी अहिरनपुरवा दा० किशुनपुरमीठा थाना रामगांव जनपद बहराइच को मा० न्यायालय सिविल जज (प्र०ख०)/ए.सी.जे.एम. बहराइच द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट मु0अ0सं0 202/13 धारा 452/325/323/504 भा०द०वि० थाना रामगांव जनपद बहराइच के क्रम में वांछित अभियुक्त गोपाल पुत्र लक्ष्मन उपरोक्त के घर पर दविश देकर कारण गिरफ्तारी बताते हुये समय करीब 07.00 बजे गिरफ्तार कर हिरासत पुलिस लिया गया। गिरफ्तारी के समय मा० सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों व निदेशों का अक्षरशः पालन किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त उपरोक्त का चालान कर कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया जा रहा है।

महाकुंभ में पहली बार फायर फाइटिंग बोट्स बनेंगी संगम की प्रहरी

महाकुंभनगर,

उत्तर प्रदेश में महाकुंभ-2025 को लेकर तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। इसी क्रम में, उत्तर प्रदेश अग्निशमन व आपात सेवा विभाग भी मेला क्षेत्र को अग्नि दुर्घटना मुक्त क्षेत्र बनाने के प्रयासों में तेजी से कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में देश और कुंभ के इतिहास में पहली बार महाकुंभ-2025 में 6 फायरबोट्स के संचालन की तैयारी पूरी कर ली गई है।

इन फायर बोट्स को मेला क्षेत्र के घाटों किनारे मुस्तैद रखा जाएगा। यह फायर फाइटिंग बोट्स न केवल नदियों किनारे घाटों पर होने वाली अग्नि जनित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्विक रिस्पॉन्स प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सहायक होंगी, बल्कि जोखिम से भरे फायर ऑपरेशंस को अंजाम देने के साथ ही अग्निरक्षकों की सुरक्षा के लिए भी कवच के तौर पर कार्य करेंगी।

महाकुंभ को अग्नि दुर्घटना रहित क्षेत्र बनाने के लिए विभाग को 66.75 करोड़ का बजट आवंटित हुआ है, जबकि विभागीय बजट 64.73 करोड़ है। इस प्रकार, कुल 131.48 करोड़ रुपए की लागत से वाहन व उपकरणों को महाकुंभ मेला में अग्नि जनित दुर्घटनाओं से सुरक्षा के लिए तैनात किया जा रहा है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी और महाकुंभ के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि इन छह फायर फाइटिंग बोट्स के लिए विभाग 1.38 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में इनको संगम समेत अन्य तटों पर तैनात कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि फायर फाइटिंग बोट्स को अपने क्विक रिस्पॉन्स, नदियों में तेजी से नेविगेशन की क्षमता व अग्निशमन की प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा करने के लिए जाना जाता है। खासतौर पर नदियों किनारे घाटों पर अग्निशमन व रेस्क्यू ऑपरेशंस को तेजी से पूरा करने में फायरबोट काफी कारगर है। इसकी एक खासियत यह भी है कि इसमें फायर फाइटिंग रोबोट्स को भी तैनात किया जाता ह

बुंदेलखंड की विरासत, देवरी में चंपा छठ का मेला पर विशेष

मनोज मेहरा/नवयुग समाचार

सागरः बुंदेलखंड की विरासत की बात करें, तो यहां खजुराहो, ओरछा, दतिया जैसे अद्भुत मंदिर देश और दुनिया में प्रसिद्ध है। लेकिन कई ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिर ऐसे भी है, जिनकी लोगों को कम जानकारी है। लेकिन उन मंदिरों का इतिहास और परम्पराएं अपने आप में अनोखी है। ऐसा ही एक ऐतिहासिक मंदिर जिले के देवरी में स्थित है। जिसमें देव श्री खंडेराव मंदिर के नाम से जानते हैं। जहां अगहन मास में 9 दिनों का अग्निकुंड मेला भरता है। यह मंदिर करीब 4 सौ साल पुराना है। जहां मनोकामना पूर्ति के लिए भक्त दहकते अंगारों पर निकलकर भगवान का धन्यवाद करते हैं। अगहन मास की षष्ठी यानि चंपा छठ से भरने वाला मेला पूर्णिमा तक चलता है। जिसकी तैयारियां तेज हो गयी है। यहां इस साल 140 अग्निकुंड बनाए जा रहे हैं। जिनमें से हजारों की संख्या में भक्तगण निकलेंगे।

श्री देव खंडेराव ने सपने में दिए थे राजा को दर्शन।

देवरी में स्थित देव श्री खंडेराव मंदिर का अगहन सुदी चंपा षष्ठी से शुरू होकर पूर्णिमा तक भरने वाला 9 दिवसीय मेला बुंदेलखंड में काफी प्रसिद्ध है। मंदिर में लोगों की अपार आस्था है और यहां होने वाला चमत्कार देखने लोग दूर-दूर से पहुंचते हैं। दरअसल इस मेले के दौरान मनोकामना पूर्ति होने पर लोग दहकते अंगारों से भरे अग्निकुंड से निकलते हैं। देवरी के तिलक वार्ड में स्थित 16 वीं शताब्दी का प्राचीन देवश्री खंडेराव मंदिर में मेला करीब 400 साल से चला आ रहा है। कहा जाता है कि देवरी जैसा मेला महाराष्ट्र में जाजौरी में भरता है। जहां देव श्री खंडेराव का मंदिर स्थित है।

मेले की शुरूआत राजा रसाल जाजोरी ने की थी और उन्होंने ही मंदिर का निर्माण कराया था। दरअसल राजा का पुत्र एक बार बीमार हो गया था,तब उन्होंने देव श्री खंडेराव से मनोकामना मांगी थी। राजा को सपने में

देव श्री खंडेराव ने दर्शन दिए और कहा कि मंदिर में अग्निकुंड से नंगे पैर निकलोगे,तो उनकी मनोकामना पूरी होगी। राजा रसाल ने सपने में मिली प्रेरणा अनुसार काम किया और उनका बेटा स्वस्थ हो गया। तब से परम्परा लगातार चली आ रही है।

भगवान शिव का अवतार हैं देव श्री खंडेराव।

ऐसा अनुमान है कि ये मंदिर 15-16 वीं शताब्दी के दौरान निर्मित हुआ है। जिसमें देव श्री खंडेराव घोडे पर सवार है और अर्धांग रूप में माता पार्वती विराजमान है। भगवान देव श्री खंडेराव को शिव का अवतार मानते हैं। देवरी के मंदिर के गर्भगृह में प्राचीन शिवलिंग भी स्थित है और मंदिर के बाहर नंदी की प्रतिमा भी स्थित है। मंदिर परिसर में एक विशाल बावडी और देवी देवताओं की भी प्रतिमाएं विद्यमान है। मंदिर के गर्भगृह में बने शिवलिंग को स्वयं भू शिवलिंग बताया जाता है। चंपा षष्ठी के दिन जैसे ही मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर ठीक 12 बजे भगवान सूर्य का प्रकाश पुंज पडता है। तो सभी श्रृद्धालु मंदिर के सामने बनाए गए अग्नि कुंडों में पूजा-अर्चना के बाद दोनों हाथों में हल्दी लेकर दहकते अंगारों से निकलना शुरू करते हैं। जय हो श्री खंडेराव के जयकारा लगाते हुए आस्था से सराबोर भक्तगण बिना डरे दहकते अंगारों से दो बार निकलते हैं।

इस साल खोदे जा रहे है 140 अग्निकुंड।

मेले को लेकर मंदिर प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस बार मंदिर में 140 अग्निकुंड खोदे जा रहे हैं। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि जिन भक्तों को अग्निकुंड से निकलना होता है,उन्हें पहले पंजीयन करवाना होता है। इस साल एक हजार से ज्यादा लोग पंजीयन करा चुके हैं। साल दर साल पंजीयन कराने वाले भक्तों की संख्या बढ रही है। इसलिए मंदिर परिसर में मेले के दौरान अग्निकुंड की भी संख्या बढानी पड रही है। मंदिर परिसर में विशेष साज सज्जा के साथ 140 अग्निकुंड इस बार खोदे जा रहे हैं। मंदिर के पुजारी परिवार की पांचवी पीढी के मोहित वैद्य और सदाशिव राव वैद्य ने 2 दिसंबर को गणपति पूजन, देव आवाहन और रुद्राभिषेक किया और उसके बाद अग्निकुंड खोदने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। मेला 7 दिसंबर से 15 दिसंबर तक चलेगा। महिलाएं लेती है बढ चढकर हिस्सा। मुख्य पुजारी नारायण राव वैद्य ने बताया कि अग्निकुंड में निकलने वाले भक्तों में महिलाओं की संख्या ज्यादा होती है। कुंवारी युवतियों के अलावा महिलाएं सबसे ज्यादा पंजीयन करवाती है। इस बार सबसे अधिक पंजीयन आदिवासी महिलाओं ने कराया है।

एक नजर

बिल्हौर नगर मंडल में भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्षों का चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

संजय त्रिपाठी/नवयुग समाचार

बिल्हौर: दिनांक 9 दिसंबर को बिल्हौर नगर में 23 बूथ पर बुथ अध्यक्षों का चुनाव सफलतापूर्वक सर्वसम्मति से संपन्न हुआ जिसमें जिले के चुनाव अधिकारी डॉ राजेंद्र कटियार व मंडल चुनाव अधिकारी रिंकू शर्मा व बबलू पासवान उपस्थित रहे। नगर के चारों शक्ति केंद्र अधिकारी व चुनाव अधिकारी उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से बिल्हौर पूर्वी में ऋषि नारायण गुप्ता व शिवम तिवारी और बिल्हौर पश्चिम में रामप्रकाश व गौरव शर्मा और बिल्हौर मध्य में अनीता वर्मा व मेराज अहमद और बिल्हौर देहात में ओम भाबा व अमित तिवारी ने मिलकर सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराया और सभी ने अपने-अपने शक्ति केंद्रों के बूथ की सूची प्रेषित की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिले के चुनाव अधिकारी डॉ. राजेंद्र कटियार व मंडल चुनाव अधिकारी रिंकू शर्मा, बबलू पासवान, कौशल अवस्थी पूर्व जिला अध्यक्ष व पूर्व जिला उपाध्यक्ष जे पी कटियार और मंडल अध्यक्ष पंडित सौरभ शर्मा, युवा मोर्चा के हितेश भदोरिया, आदेश तिवारी, ओम भाबा, मोंटी अवस्थी, ऋषि नारायण गुप्ता महिला मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अनीता वर्मा, शिवम तिवारी आदि अनेक कार्यकर्ता लोग उपस्थित रहे।

हर्ष और उल्लास से कांग्रेसियों ने मनाया सोनिया गांधी का जन्मदिन

नवयुग समाचार संवाददाता सीबू सैनी

कन्नौज। निवर्तमान कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश पालीवाल की अगुवाई में दर्जनों कांग्रेसियों ने मकरंद नगर स्थित पार्टी कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का जन्मदिन केक काटकर बड़े धूमधाम से मनाया गया ।

पार्टी कार्यालय पर उपस्थित कांग्रेसी नेताओं द्वारा एक दूसरे को केक खिलाकर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के दीघार्यु होने की कामना की उसके पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विनोद दीक्षित पहुंच कर मरीज और तीमारदारों को फल और बिस्किट वितरित किए इस अवसर पर निवर्तमान जिला अध्यक्ष दिनेश पालीवाल ने सोनिया गांधी को त्याग की मूर्ति बताते हुए कहा कि ऐसी नेत्री जिन्होंने देश के लिए प्रधानमंत्री तक का पद ठुकरा दिया था और देश हित में महान विद्वान मनमोहन सिंह को पीएम बनाया था वह अपने आप में एक मिसाल है वहीं पूर्व प्रदेश सचिव विजय मिश्रा ने कहा कि सोनिया गांधी का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि हम सभी को कठिन से कठिन परिस्थिति में भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए उन्होंने वर्तमान मोदी सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज देश के जो हालात हैं उनसे कांग्रेस ही निपट सकती है।इस अवसर पर पूर्व प्रदेश सचिव विजय मिश्रा पूर्व जिला अध्यक्ष उषा दुबे महिला जिला अध्यक्ष रीना सिंह वर्मा प्रमोद शाक्य विजयलक्ष्मी इमरान अली सत्य प्रकाश शर्मा अशोक कनौजिया एहसान उल हक आदि लोग मौजूद रहे।

कस्बा हसेरन में जाम की समस्या बनी लोगों के जी का जंजाल

नवयुग समाचार संवाददाता सीबू सैनी

हंसेरन कन्नौज। पुलिस अधीक्षक कन्नौज के दिशा निर्देश पर यातायात प्रभारी द्वारा यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए विभिन्न जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं बावजूद इसके कस्बा हसेरन में टेंपो ई रिक्शा चालकों की गैर जिम्मेदाराना रवैया आम जनमानस के लिए परेशानियों का सबब बना हुआ हैं।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के दिशा निर्देश पर यातायात प्रभारी सहित जिले के कई यातायात पुलिस उप निरीक्षक सुबह से लेकर देर रात तक यातायात व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के अथक प्रयास करते नजर आते हैं बावजूद इसके जनपद कन्नौज के कस्बा हसेरन में ई रिक्शा और टेंपो आम जनमानस की परेशानियों का सबब बने दिखाई देते हैं बताते चलें कुछ दिन पहले ही यातायात प्रभारी आफाक खान द्वारा कस्बा हसेरन में ऑटो और ई रिक्शा चालकों सहित विभिन्न वाहन स्वामियों को जागरूक भी किया गया था इसका असर एक-दो दिन तो दिखाई दिया उसके बाद समस्या जस की तस बनी हुई है।

प्रिया पाठक ने कुसमी एसडीएम का सम्हाला पदभार ,स्टाप से हुयी रूबरू

बिहारी लाल गुप्ता/नवयुग समाचार

भुईमाड़। लम्बे समय से प्रभार मे चल रहा कुसमी एसडीएम का पदभार आखिरकार सोमवार को कुसमी पहुंचकर नवनियुक्त एसडीएम प्रिया पाठक ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उस दौरान तहसीलदार कुसमी नारायण सिह,नायब तहसीलदार सोनेलाल धुर्वे ने एसडीएम प्रिया पाठक का स्वागत किया। इसके साथ ही एसडीएम ने अपने कार्यालय का निरिक्षण किया। उन्होंने एसडीएम कार्यालय एवं तहसील कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी करने के साथ शासन के सभी कार्यों को समय पर करने व जनता की समस्याओं का समय से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बताते चलें कि कुसमी में जब से एसडीएम कोर्ट खुला है 13 अधिकारियो की पोस्टिंग एसडीएम पद पर हो चुकी है जिसमें से यह पहली महिला होगी जिनको कुसमी एसडीएम का प्रभार मिला है

विशाल हवन यज्ञ में विश्व कल्याण के लिए भक्तों ने डाली आहुतियां

नवयुग समाचार संवाददाता सीबू सैनी

कन्नौज।जनपद कन्नौज के कुतलूपुर मकरंद नगर स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन विशाल हवन यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो की संख्या में विश्व कल्याण के लिए भक्तों ने आहुति डाली।

ठाकुरद्वारा मंदिर में चल रही भागवत कथा के अंतिम दिन विशाल हवन यज्ञ सम्पन्न हुआ जिसमें सैकड़ों भक्त जनों ने विश्व के कल्याण के लिए आहूति दी आचार्य मधु सूदन शास्त्री ने मंत्रोच्चार करके हवन सम्पन्न कराया यजमान मनोज अवस्थी ने समस्त शास्त्री गणों का सम्मान करके आशीर्वाद प्राप्त किया इस मौके पर हजारों भक्त गणों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया इस मौके पर समिति के सदस्य प्रदीप दुबे अन्नू मिश्रा गुडडू दुबे राजीव यादव नीरज दुबे मामा रमेश यादव शिवम सिंह आदि ने सभी सहयोग करवाने के लिए धन्यवाद दिया

नैतिक शिक्षा व मानवीय मूल्यों का विकास हो

कैलाश नाथ तिवारी/नवयुग समाचार

आज वर्तमान समय की नवीन पीढ़ी में नैतिक शिक्षा व मानवीय मूल्यों का विकास नही हो पा रहा इनमें प्रतियोगितात्मक प्रतिस्पर्धा की अंधीघुड़दौड़ और भौतिकतावाद के चकाचौंध से अपने जीवन मूल्यों को न समझकर अपने वास्तविक लक्ष्य से भटकाव की ओर अग्रसर हो रहे है, विनम्रता उग्रता में बदल रहा और शिष्टता अशिष्टता में, जिस प्रकार संस्कार हीन मानव अशिष्ट व्यवहार का परिचय देकर सारे नैतिक कर्त्तव्यों को भूलकर अपने दुर्भाग्य को ही आमन्त्रण देता है, भले ही साक्षरता का बड़ा बड़ा स्वांग रचा ले बड़ी डिग्रियाँ प्राप्त कर ले परन्तु माता पिता गुरु का अपमान कर वह सिर्फ पतन के घोर गर्त में ही जाता है। अच्छा व्यक्तित्व अच्छे संस्कार के लिए नैतिक शिक्षा अनुशासन संयम शिष्टाचार जैसे पाठ्यक्रम प्राथमिक विद्यालयों में ही नही उच्च स्तरीय कालेजों में भी भारत सरकार को अनिवार्य रूप से लागू कर देना चाहिए जिससे लोकसभा विधान सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों में भी राष्ट्र धर्म मानवता के प्रति सकारात्मक प्रभाव सृजनात्मक व रचनात्मक विचार शक्ति का निर्माण हो सकें,

नवजात शिशु को पोलियो खुराक पिला कर की गई अभियान की शुरूआत

नवयुग समाचार संवाददाता सीबू सैनी

कन्नौज। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुदेश गुप्ता द्वारा महिला चिकित्सालय विनोद दीक्षित अस्पताल में पोलियो की दवा पिलाकर पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि पल्स पोलियो की दवा जनपद में प्रत्येक बच्चे को पिलाई जाए ऐसे बच्चे जो बूथ पर नहीं आ सके उन्हें चिन्हित कर उसे दूसरे दिन घर पर जाकर दवा अवश्य पिलाई जाएगी अधिक आबादी है वहां के धार्मिक गुरुओं जन प्रतिनिधियों के माध्यम से पल्स पोलियो की दवा पिलाई जाएगी उन्होंने जानकारी देते हो बताया कि जनपद में पल्स पोलियो अभियान के तहत जनपद मे 828 बूथ बनाए गए हैं जहां पर ० से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी इसके लिए जनपद में 2 लाख 80 हजार 464 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।इस अभियान के तहत 9 दिसंबर से 16 दिसंबर तक घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाई जाएगी इसके लिए जनपद में कुल 564 टीमों को लगाया गया है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुदेश गुप्ता अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर बी के शुक्ल जिला प्रतिरक्षण अधिकारी जितेंद्र नाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विनोद दीक्षित चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुधांशु दुबे सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेलगाम चोरों ने ताले तोड़ लाखों की चोरी को दिया अंजाम

नवयुग समाचार संवाददाता सीबू सैनी

कन्नौज। जनपद कन्नौज के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बा हसेरन मे बेलगाम बेखौफ होकर बीती रात अज्ञात चोरों ने दो दुकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया।

कस्बा हसेरन में चोरों द्वारा बेखौफ होकर दो दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की गई सुबह होने पर दुकान मालिक दुकान के पास पहुंचे तो शटर उठा देख चोरी की आशंका जाहिर की। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा देख होश उड़ गए इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी। धीरे-धीरे लोगों की भीड़ लग गई। इसकी सूचना यूपी 112 पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। दो दुकानों के शटर के ताले तोड़कर हुई चोरी से कस्बा में हड़कंप मच गया। हसेरन कस्बा के निकली गंगा नहर बिधूना मार्ग चौधरी बनवारी लाल महाविद्यालय के पास लगे आटा चक्की कारखाने पर अज्ञात चोरों ने शटर के ताले तोड़कर कारखाने में प्रवेश कर गए। कारखाने में रखी गोलक में करीब एक लाख रुपए की चोरी कर ली। वही गोलक से पड़ोस दुकान की ज्वेलरी की रखी चाबी निकाल कर ज्वेलरी अलमारी को दुकान से बाहर निकाल कर कारखाने के पीछे रखकर सामान निकाल कर भाग गए। दुकान मालिक राजीव शाक्य निवासी मुटेकापुरवा ने बताया रात दस बजे तक कारखाना चलाते रहे , जिसके बाद घर गए। कल हमने खली और गेहूं की बिक्री की थी। जिसका एक लाख रुपए गोलक में रखा था। ज्वेलरी अलमारी में हुई ज्वेलरी की चोरी की जानकारी बड़े भाई अवनीश ही बता सकते हैं। वह निजी कार्य से ग्वालियर गए हुए हैं। अनुमानित लगभग 10 लख रुपए की चोरी का अनुमान लगाया गया है । दूसरी घटना बिधूना मार्ग की 200 मीटर दूरी पर कस्बा निवासी सुनील गुप्ता पुत्र राजेंद्र गुप्ता के सुनने पड़े घर को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने शटर का ताला तोड़कर चोरी कर घटना को अंजाम दिया। सूने पड़े मकान से अज्ञात चोरों ने खड़ी चार पहिया कार की चोरी करने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे। वही सुनने पड़े मकान से तीन बोरी पीतल सहित तीन पेटी पेप्सी की ले गए। कस्बा में दो दुकानों पर हुई लाखों रुपए की चोरी से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच कर कार्रवाई करने की बात कही।

जान लेने की हद तक अंधा होता प्यार, गर्लफ्रेंड से वीडियो कॉल पर बात करते हुए कानपुर में फांसी पर झूला युवक

नवयुग समाचार संवाददाता

कानपुर। प्रेम प्रसंग को लेकर अक्सर होने वाली आत्महत्या की घटनाओं के संदर्भ में शायद यह भी कहा जा सकता है कि प्यार ऐसा वैसा नहीं बल्कि जान लेने की हद तक अंधा होता है। ...और जब प्रेमी या प्रेमिका को एक दूसरे से बिछड़ने का भय होता है अथवा ऐसा हो ही जाता है तो इंसान अपनी जीवन लीला भी समाप्त कर लेने से भी नहीं चूकता।

कुछ ऐसा ही हुआ कमाई के मामले में लगभग 30 - 40 लाख सालाना टर्न ओवर वाले एक युवक के साथ जिसने प्रेमिका की कथित धोखेबाजी से दुखी होकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद उसके परिवार में कोहरा मचा हुआ है।

यह घटना नजीराबाद थाना क्षेत्र के कौशलपुरी की है जहां का रहने वाले युवक ने गर्लफ्रेंड से वीडियो कॉल पर बात करते हुए फांसी लगा ली। वह मेट्रोमोनियल वेबसाइट चलाता था,जिसका सालाना टर्न ओवर लगभग 30 40 लाख का था। उसकी लाश को पोस्टमॉर्टम हाउस भेजने के साथ ही नजीराबाद पुलिस परिवार के लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार इस मामले में गर्लफ्रेंड के भी बयान दर्ज कराए जाएंगे।

घटना के बारे में प्राप्त विवरण के अनुसार कौशलपुरी नजीराबाद निवासी अर्पित सर्राफ (28) अपनी मां नीलम के साथ मिलकर मेट्रोमोनियल वेबसाइट सदगुरू के नाम से चलाते थे। वेबसाइट के जरिए अच्छा कारोबार मिल रहा था। इनके व्यापार का 25-30 लाख रुपए का टर्नओवर है। मौके पर पहुंची पुलिस को अर्पित के ममेरे भाई अभिनव ने बताया- अर्पित किसी गर्लफ्रेंड से बात करता था। दोनों के बीच अच्छे संबंध थे। दोनों घूमने-फिरने भी जाते थे।

ममेरे भाई अभिनव ने पुलिस को यह भी बताया कि बताया कि अर्पित की गर्लफ्रेंड के जीवन में कोई और आ गया था। इसके बाद वो अर्पित से दूर रहने लगी थी। उससे बातचीत कम कर दी थी और ब्रेकअप की बात करती थी। इसी को लेकर दोनों के बीच वीडियो कॉल पर बात चल रही थी।

अभिनव के अनुसार अर्पित उसे मनाने का प्रयास कर रहा था मगर वो मान नहीं रही थी। इसी नोकझोंक में अर्पित ने वीडियो कॉल के दौरान ही मां की चुनरी से फांसी का फंदा बनाकर उससे लटक कर अपनी जान दे दी। फिलहाल पुलिस चर्चा का विषय बनी इस घटना की छानबीन कर रही है।

कानपुर का चिड़ियाघर देख कर खुश हुए दिव्यांग बच्चे

नवयुग समाचार संवाददाता सीबू सैनी

कन्नौज। जनपद के परिषदीय विद्यालयों में नामांकित दिव्यांग बच्चों का एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट कानपुर के प्राणी उद्यान में कराया गया दिव्यांग बच्चों द्वारा कानपुर के चिड़िया घर में जंगल के राजा शेर के साथ साथ कई प्रकार के पशु पंछियों को देख कर प्रफुल्लित हुए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार के कुशल निर्देशन में एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विश्वनाथ शर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि कानपुर चिड़ियाघर में आज विकासखण्ड कन्नौज, उमर्दा, तालग्राम, गुगरापुर, जलालाबाद एवं नगर क्षेत्र कन्नौज के कुल 53 दिव्यांग बच्चों एवं स्पेशल एजुकेटर्स द्वारा भ्रमण कार्य किया गया । स्पेशल एजुकेटर्स द्वारा सभी दिव्यांग बच्चों को चिड़ियाघर की विषयवस्तु एवं वहां के प्राणियों के बारे में स्पेशल एजुकेटर्स द्वारा बोध कराया गया ।

गुरसहायगंज थाना पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता छह वारंटी किए गिरफ्तार

नवयुग समाचार संवाददाता सीबू सैनी

गुरसहायगंज कन्नौज।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जनपद में चलाया जा रहे अपराध और अपराधियों के विरुद्ध अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना गुरसहायगंज आलोक दुबे के नेतृत्व में छह वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के मार्गदर्शन एवं नगर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना गुरसहायगंज आलोक दुबे के कुशल नेतृत्व में वारंटी रवि पुत्र खुमान निवासी बरगामा नसरुद्दीन पुत्र मजीद निवासी मोहल्ला गांधीनगर धर्मेंद्र कुमार पुत्र मिडई लाल ग्राम रसूलपुर सिपाही लाल पुत्र शिव दीन निवासी बदले पुरवा मेघनाथ पुत्र मुंशीलाल निवासी बदले पूर्वा थाना गुरसहायगंज जनपद कन्नौज को उप निरीक्षक मोहनलाल , रविंद्र सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, राधा मोहन शर्मा कांस्टेबल पंकज कुमार ,सत्येंद्र कुमार प्रशांत बालियान द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

विकासखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोग्यताओं का आयोजन

सुरजीत कश्यप/नवयुग समाचार

ककवनः विकासखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत ककवन विकासखंड की प्रतियोगिता आयोजन आरजीएलवी इंटर कॉलेज आलियापुर में किया गया जिसका शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं झंडी दिखाकर किया। विभिन्न वर्गों की प्रतियोगिताओं में ककवन विकासखंड के परिषदीय उच्च प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बालक बालिकाओं ने उत्साह पूर्ण प्रतिभाग किया 100 मी 50 मीटर 200 मीटर दौड़ ऊंची कूद लंबी कूद खो खो और कबड्डी का आयोजन किया गया जिसमें ककवन ब्लॉक के सभी न्यायपंचायत के बालक और बालिका ने प्रतिभाग किया। कब्बड्डी जूनियर वर्ग में बालक व बालिका वर्ग में विजेता ककवन व उपविजेता विषधन एवं बछना की टीम रही। खो खो में विजेता ककवन व उपविजेता उठ्ठा की टीम रही। सभी वर्गों में प्रथम द्वितीय बालक बालिकाओं के ट्रॉफी मेडल व प्रशस्ति पत्र विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी ककवन द्वारा प्रदान किया गया। सभी न्यायपंचायत में ककवन न्यायपंचायत द्वारा सभी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्रदान किया गया। ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में मुख्य संचालन डॉ अनुराग पांडे द्वारा किया गया खेल शिक्षक में रूप में अमित बाजपई ने प्रमुख योगदान दिया उक्त अवसर पर ककवन विकास खंड के सभी ए आर पी अजय कटियार अश्वनी पांडे अनिल राय अमर चंद था सभी न्यायपंचायत के संकुल शिक्षक के साथ साथ वीरेंद्र राव नरेंद्र भारती शाम कुमार संजीव अनिल यादव, पंकज पाल अभिषेक यादव, शशांक दुबे, अरविन्द त्रिवेदी संजय भारती नीलेंद्र जग नारायण अंशु लता पूर्णिमा नीति नेहरू ज्योति लता अमित सिंह राजेंद्र शुक्ला ने सहयोग प्रदान किया अंत में श्री अजय यादव संरक्षक आर जी एल वी इंटर कॉलेज ने सभी का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया।

बीमारी से हुई सिपाही की मौत साथियों ने दी अंतिम सलामी

नवयुग समाचार संवाददाता

बिल्हौरः आपको बताते चलें अरौल थाना क्षेत्र के मिडुआ गांव निवासी भीम सिंह पुत्र रामस्वरूप यूपी पुलिस में कांस्टेबल थे। इस समय उनकी ड्यूटी औरैया पुलिस लाइन में चल रही थी बताया गया कि पिछले कई दिनों से वह बीमार चल रहे थे रविवार को कानपुर हैलट अस्पताल में मौत हो गई। औरैया पुलिस लाइन में तैनात सिपाही भीम सिंह पुत्र रामस्वरूप अरौल थाना क्षेत्र में मिडुआ गांव का रहने वाला था। कई दिनों से बीमारी से चलते कानपुर हाईलाइट हॉस्पिटल में भर्ती थे रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए थे। अरौल थाना प्रभारी जनार्दन कुमार ने बताया कि सिपाही के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंपा गया।

सिपाही का शव गांव पहुंचने पर अरौल थाना प्रभारी जनार्दन कुमार ने पुलिस बल के साथ 2 मिनट का मौन रख कर सिपाही की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की अंत में शस्त्र झुककर साथियों ने सिपाही भीम सिंह के पार्थिव शरीर को अंतिम सलामी दी

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक मनीष कुमार सिंह द्वारा शोभित आफसेट के-450 इंदिरालोक कॉलोनी, पोस्ट मानसनगर, लखनऊ - 226023 उ.प्र. से मुद्रित कराकर मुकेरिया, महसी, रामगांव, बहराइच से प्रकाशित। आरएनआई/प्रिंटलाइन कोड-UPHIN49594
संपादक-मनीष कुमार सिंह मो.- +91 9984176988 ई-मेल- navyugsamacharindia@gmail.com उप संपादक-मो. इज़हार बारसी, मो. +91 7081640677, प्रबंध संपादक-संजय कुमार त्रिपाठी, मो.- +91 9044973372, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र बहराइच, उ.प्र. होगा।